17/3/26 पत्रा० आज वादीगण द्वारा प्रस्तुत प्रा० पत्र के आधार पर तलब कर पेश हुई।

वादी अधिवक्ता द्वारा निवेदन किया गया कि वादीगण अपने दावा को आगे चलाना नहीं चाहते हैं एवं अपने दावा को मय प्रा० पत्र 212 प्रति के इसी स्तर पर विड्रोल करवाना चाहते हैं। वादी अधिवक्ता द्वारा पत्रावली को नोटप्रेस किये जाने हेतु अपनी अंडरटेकिंग भी दी गई। अतः दावा नोटप्रेस के आधार पर इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Not press
Identified by
गोविन्द
(MS)
16/03/202